डॉ. शेखर चिं. मांडे
एफएनए, एफएएससी, एफएनएएससी
सचिव
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा
महानिदेशक
Dr. Shekhar C. Mande
FNA, FASc, FNASc
Secretary
Department of Scientific & Industrial Research and
Director General

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
Government of India
Ministry of Science and Technology
Council of Scientific & Industrial Research
Department of Scientific & Industrial Research

पत्र सं 20-10(2)/2001-राभा
दिनांक: 22.09.2021

सेवा में,

सभी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/संस्थानों के निदेशक/प्रधान

महोदय/महोदया,

संयुक्त सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से प्राप्त दिनांक 03.09.2021 के अर्द्धशासकीय पत्र सं. ई-11017/झ/1/2021-हिंदी (प्रति संलग्न) के अनुसार भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति जी के विशेष आग्रह पर माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने भारत संघ की राजभाषा तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं के विकास, संवर्धन एवं संरक्षण के संबंध में एक समयबद्ध 7 सूत्री चार्टर का अनुमोदन किया है। इस चार्टर को **भारत की आजादी के अमृत महोत्सव** के अंग के रूप में कार्यान्वित किया जाएगा। **माननीय मंत्री जी ने अपने नेतृत्व वाले सभी मंत्रालयों/विभागों में इस चार्टर को लागू किए जाने का भी निदेश दिया है।**

साथ ही इस पत्र के साथ संलग्न 7 सूत्री चार्टर में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नांकित दो मदों **आगामी विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय सम्मेलन** तथा राजभाषा के क्षेत्र में अर्जित असाधारण उपलब्धियों की एक प्रदर्शनी लगाने एवं **21 फरवरी, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन** करने के लिए सभी वैज्ञानिक मंत्रालयों/विभागों द्वारा मिलकर तत्काल कार्रवाई करने के निदेश दिए हैं।

अनुरोध है कि उक्त दोनों समारोहों के आयोजन एवं उक्त पत्र के साथ संलग्न 7 सूत्री चार्टर के आलोक में उचित कार्रवाई करें ताकि तदनुसार पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को की गई कार्रवाई से अवगत कराया जा सके। साथ ही प्रयोगशाला/संस्थान की राजभाषा के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां सीएसआईआर मुख्यालय को उपलब्ध कराएं ताकि उनको आगामी विश्व हिंदी दिवस अर्थात 10 जनवरी, 2022 को सभी वैज्ञानिक मंत्रालयों/विभागों द्वारा मिलकर आयोजित की जाने वाली प्रदर्शनी में सम्मिलित किया जा सके।

भवदीय

Sr. H. Officer: आवश्यक कार्रवाई के लिए।
ड. चंद्रराज
12/10/11

(शेखर चि. मांडे)

Anusandhan Bhawan, 2, Rafi Marg, New Delhi-110001
Tel.: 23710472, 23717053, Fax: (91-11) 23710618, E-mail: secy-dsir@gov.in; dgcsir@csir.res.in and dg@csir.res.in, Website: www.csir.res.in

इन्दिरा मूर्ति
संयुक्त सचिव
INDIRA MURTHY
Joint Secretary

सत्यमेव जयते

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNMENT OF INDIA

अर्द्धशासकीय पत्र संख्या ई-11017 झ/1/2021-हिन्दी **दिनांक: 03/09/2021**

आदरणीय महोदय,

भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति जी के विशेष आग्रह पर माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने भारत संघ की राजभाषा तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं के विकास, संवर्धन एवं संरक्षण के संबंध में एक समयबद्ध 7 सूत्री चार्टर का अनुमोदन किया है। इस चार्टर को **भारत की आजादी के अमृत महोत्सव** के अंग के रूप में कार्यान्वित किया जाएगा। इसकी एक प्रतिलिपि इसके साथ संलग्न है। **माननीय मंत्री जी का निदेश है कि इस चार्टर को उनके नेतृत्व वाले सभी मंत्रालयों / विभागों में लागू किया जाए।**

इस चार्टर में अन्य बातों के साथ-साथ जिन दो मदों पर सभी वैज्ञानिक मंत्रालयों/विभागों द्वारा मिलकर तत्काल कार्रवाई की जानी है, वे इस प्रकार हैं:

1. आगामी विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

जैसा कि आपको ज्ञात है, भारत सरकार प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन करती है। माननीय पृथ्वी विज्ञान, और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री की इच्छा है कि आगामी 10 जनवरी 2022 को सभी वैज्ञानिक मंत्रालय/विभाग मिलकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करें और राजभाषा के क्षेत्र में अर्जित असाधारण उपलब्धियों की एक प्रदर्शनी लगायें।

ऐसा करने से हिंदी का राजभाषा के रूप में प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे सरकारी प्रयासों में गंभीरता आएगी और हमारी ओर से किया गया यह भागीरथी प्रयास भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों के लिए एक मिसाल कायम करेगा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी/महामहित राष्ट्रपति जी इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

(कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 10 जनवरी 2022]

2. 21 फरवरी 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन।

'संयुक्त राष्ट्र' ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के बीच की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा मिले। ऐसे आयोजनों से देश में भाषायी एकता का भाव पैदा करने में मदद मिलेगी, और हमें विविधता में एकता की भावना से राजभाषा हिंदी के साथ-साथ प्रादेशिक भाषाओं का विकास करने की प्रेरणा मिलेगी।

इस सम्मेलन में देशभर के भाषाविद् मातृभाषाओं के विकास, संवर्धन और संरक्षण के संबंध में तौर-तरीके सुझाने के लिए मंथन करेंगे। इस समारोह में भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति मुख्य अतिथि होंगे।

[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 21 फरवरी 2022]

महानिदेशक सीएसआईआर एवं सचिव, डीएसआईआर का कार्यालय
Office of DG, CSIR & Secretary, DSIR
डायरी संख्या/Diary No. 1756
प्राप्ति/Received on 15-09-21
प्रेषण/Sent on 15-09-21

संयुक्त सचिव सी.एस.आई.आर. / आर.
डायरी सं. 1215
दिनांक 15-09-2021

सं.स.(प्र.) कृपया put up करें।

उपर्यक्त महत्वपूर्ण समारोहों का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में दो अलग-अलग आयोजन समितियां गठित की जाएंगी। सभी वैज्ञानिक मंत्रालयों/विभागों के निदेशक (प्रशासन) इन समितियों के सदस्य होंगे। ये आयोजन समितियां इन समारोहों की बारीकियां तय करेंगी।

अत: मेरा आपसे अनुरोध है कि अपने मंत्रालय / विभाग से निदेशक स्तर के दो अधिकारियों को आयोजन समिति में बतौर सदस्य नामित करें ताकि इन समारोहों के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ की जा सकें। अपने नामांकन हमारे मंत्रालय में संयुक्त निदेशक को abusaria.manoj@gov.inपर भेजे जा सकते हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

भवदीया

इन्दिरा मूर्ति

(इन्दिरा मूर्ति) 03/01/2021

डॉ. शेखर सी. मांडे,
महानिदेशक,
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)
अनुसन्धान भवन, 2 रफी अहमद किदवई मार्ग,
नई दिल्ली - 110001

राजभाषा हिंदी तथा प्रादेशिक भाषाओं के विकास एवं संवर्धन के बारे में 7 सूत्री चार्टर :

क्रम संख्या	सुझाव / प्रस्ताव	समयबद्ध कार्य योजना	पृथ्वी विभाग मंत्रालय द्वारा अब तक की गई कार्रवाई
1.	मंत्रालय के सभी कार्यालयों / संगठनों **में हिंदी / हिंदीतर भाषी कार्मिकों को स्वैच्छिक आधार पर वहां की प्रादेशिक भाषा सिखाने** की व्यवस्था करना।	• मंत्री जी द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन किए जाने के तुरंत बाद पृथ्वी विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले सभी कार्यालयों के प्रमुखों को अपने-अपने कार्यालयों में प्रादेशिक भाषा सीखाने की अनौपचारिक व्यवस्था करने के लिए आवश्यक निदेश जारी किए जाएंगे। • संबंधित प्रादेशिक भाषा में पारंगतता हासिल करने वाले कार्मिकों को मातृभाषा दिवस 21 फरवरी को सम्मानित किया जाएगा। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 31 दिसम्बर 2021]**	मंत्रालय के अधीन सभी कार्यालयों को आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश दिए गए हैं। सभी कार्यालयों में आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।
2.	वरिष्ठ वैज्ञानिक हिंदी एवं अपनी मातृभाषा में रिसर्च पेपर प्रस्तुत। **पीएचडी थीसिस का सारांश त्रिभाषी बनाना।**	• मंत्रालय के अंतर्गत अनुसंधान में संलग्न कार्यालयों / संगठनों केप्रमुखों को सचिव / संयुक्त सचिव के हस्ताक्षर से निदेश जारी किए जाएंगे कि पीएचडी थीसिस का सारांश अनिवार्य रूप से हिंदी, अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषा में प्रस्तुत किया जाए। • इस निर्णय का अक्षरश: अनुपालन करने वाले शोधकर्ताओं को मंत्रालय के स्थापना दिवस समारोह में विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 27 जुलाई 2022]**	मंत्रालय के अधीन सभी कार्यालयों को आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश दिए गए हैं।
3.	कार्मिकों की ए.पी.ए.ए.आर में **'आई.पी.आर भरने की तारीख'** की तर्ज पर **'राजभाषा /प्रादेशिक भाषा में किए गए**	• नीतिगत निर्णय होने के बाद कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को ए.पी.ए.ए. आर के फॉर्मेट में आवश्यक संशोधन करने का अनुरोध किया जाएगा। • संशोधित ए.पी.ए.ए.आर फॉर्मेट सभी कार्यालय प्रमुखों को अनुपालन हेतु भेजा जाएगा।	सचिव , पृथ्वी विज्ञान ने सचिव, डीओपीटी को ए.पी.ए.ए.आर में संशोधन करने का अनुरोध किया है। डीओपीटी द्वारा इस पर कार्रवाई की जा रही है।

	कार्य का विवरण' नामक नया कॉलम जोड़ना।	• इस निर्णय का अक्षरश: अनुपालन करने वाले कार्यालय प्रमुखों को मंत्रालय के स्थापना दिवस समारोह में विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 30 जून 2022]**	वैज्ञानिकों के एपीपीआर में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संशोधन किया जा रहा है।
4.	प्रतिवर्ष 10 जनवरी को **'विश्व हिंदी दिवस'** के अवसर मंत्री जी के नेतृत्व वाले सभी मंत्रालयों/विभागों द्वारा संयुक्त समारोह का आयोजन।	• वर्तमान व्यवस्था के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय मिलकर प्रतिवर्ष 10 जनवरी को 'विश्व हिंदी दिवस' के अवसर पर दिल्ली में एक सम्मेलन करेंगे जिसमें हिंदी में हो रहे कार्य को प्रदर्शित किया जाएगा, नये प्रोग्राम लॉन्च किए जाएंगे। • इस समारोह में राष्ट्रपति / प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित किया जाएगा। • इस समारोह के सफल आयोजन के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में आयोजन समिति बनाई जाएगी और सभी संबंधित मंत्रालय के निदेशक स्तर के अधिकारी सदस्य होंगे। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 10 जनवरी 2022]**	आयोजन समिति के गठन के लिए चार मंत्रालयों से निदेशक स्तर के अधिकारियों के नामांकन प्राप्त हुए हैं। शेष मंत्रालयों से नामांकन की प्रतीक्षा है।
5.	सभी वैज्ञानिक मंत्रालय प्रतिवर्ष 21 फरवरी को **'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस'** मनाएंगे।	• संयुक्त राष्ट्र नयाचार के निर्णय अनुसार उपराष्ट्रपति जी के आग्रह पर वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय मिलकर प्रतिवर्ष 21 फरवरी को 'मातृभाषा दिवस' मनाएंगे। • इस समारोह में उपराष्ट्रपति जी को आमंत्रित किया जाएगा। • इस समारोह के सफल आयोजन के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में आयोजन समिति बनाई जाएगी और सभी संबंधित मंत्रालय के निदेशक स्तर के अधिकारी सदस्य होंगे।	आयोजन समिति के गठन के लिए चार मंत्रालयों से निदेशक स्तर के अधिकारियों के नामांकन प्राप्त हुए हैं। शेष मंत्रालयों से नामांकन की प्रतीक्षा है।

		• समारोह में मंत्रालय के अंतर्गत भारत की विविध भाषाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों का सम्मानित / पुरस्कृत किया जाएगा और बहुभाषी कवि सम्मेलन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 21 फरवरी 2022]**	
6.	सभी मंत्रालयों/विभागों द्वारा **वार्षिक गृह-पत्रिका का प्रकाशन।**	• प्रस्तावित गृह-पत्रिका में 50 प्रतिशत सामग्री हिंदी में होगी तथा शेष 50 प्रतिशत में प्रादेशिक भाषाओं की सामग्री प्रकाशित की जाएगी। पूरे मंत्रालय के वरिष्ठ वैज्ञानिकों से लेख आमंत्रित किए जाएंगे। तीन सर्वश्रेष्ठ रचनाओं को 5100 रु, 3100 रु और 2100 रु का प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। • साथ ही मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, जो प्रतिवर्ष संसद के पटल पर रखी जाती है, में संबंधित कार्यालय अपनी प्रमुख गतिविधियों का सारांश प्रादेशिक भाषा में भी उपलब्ध कराएंगे। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 31 दिसम्बर 2021]**	मंत्रालय द्वारा वार्षिक गृह-पत्रिका प्रकाशित करने के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों/ अधिकारियों व कार्मिकों से लेख आमंत्रित किए जा रहे हैं।
7.	सभी कार्यालय **आमजन से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं अपनी वेबसाइट पर प्रादेशिक भाषा में** भी अपलोड करेंगे।	• नीतिगत निर्णय के उपरांत मंत्रालय के सभी कार्यालय प्रमुखों से पत्र लिखकर आग्रह किया जाएगा कि आमजन से ताल्लुक रखने वाली दस्तावेजों को प्रादेशिक भाषा में भी अपलोड की जाए। • इस निर्णय का अक्षरश: अनुपालन करने वाले कार्यालय प्रमुखों को मंत्रालय के स्थापना दिवस समारोह में विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे। • वर्तमान वित्त वर्ष के अंत में प्रगति रिपोर्ट तैयार करके माननीय मंत्री जी को अवलोकन हेतु प्रस्तुत की जाएगी। **[कार्यान्वयन की अंतिम तारीख: 31 दिसम्बर 2021]**	मंत्रालय के अधीन सभी कार्यालयों को आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश दिए गए हैं।